समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

‘भारत को आत्मरक्षा का पूरा हक’, ऑपरेशन सिंदूर पर भारत को मिला जर्मनी का साथ।

Publisher Published on 24 May 2025

जर्मनी के विदेश मंत्री ने कहा— भारत को आतंकवाद के खिलाफ सैन्य प्रतिक्रिया देने का पूरा अधिकार है, पहलगाम हमले की घोर निंदा।

नई दिल्ली :— जर्मनी ने भारत के **ऑपरेशन सिंदूर** को आतंकवाद के खिलाफ एक वैध सैन्य प्रतिक्रिया करार दिया है। जर्मनी के विदेश मंत्री **जोहान वेडफुल** ने पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए क्रूर आतंकी हमले की निंदा करते हुए कहा कि भारत को आत्मरक्षा का पूरा अधिकार है। इस बयान के बाद भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक महत्वपूर्ण समर्थन मिला है।

जर्मनी की सख्त प्रतिक्रिया

जर्मन विदेश मंत्री ने कहा, “हम 22 अप्रैल को भारत पर हुए क्रूर आतंकवादी हमले से स्तब्ध हैं। हम नागरिकों पर हुए इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। हमारी गहरी संवेदना सभी पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति है। दोनों पक्षों पर सैन्य हमलों के बाद, भारत को निश्चित रूप से आतंकवाद के खिलाफ खुद का बचाव करने का पूरा अधिकार है।”

युद्धविराम का समर्थन और बातचीत की पहल

उन्होंने आगे कहा कि “यह तथ्य कि अब युद्धविराम लागू हो गया है, सराहनीय है। अब जो सबसे ज़रूरी है, वह यह है कि यह युद्धविराम स्थिर बना रहे और दोनों पक्षों के हितों को ध्यान में रखते हुए द्विपक्षीय समाधान खोजे जाएं। जर्मनी और भारत वर्षों से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई पर नियमित संवाद कर रहे हैं और हम इसे और तेज़ करने के पक्षधर हैं।”

भारत का कड़ा संदेश

भारत के विदेश मंत्री **एस. जयशंकर** ने बर्लिन में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, “मैं पहलगाम आतंकी हमले पर भारत की

प्रतिक्रिया के तुरंत बाद बर्लिन आया हूं। भारत आतंकवाद को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करता। भारत कभी भी परमाणु ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा और पाकिस्तान के साथ पूरी तरह द्विपक्षीय तरीके से व्यवहार करेगा। इस संबंध में कोई भ्रम नहीं होना चाहिए।"

उन्होंने **जर्मनी द्वारा भारत के रुख को समझने** और **समर्थन देने** के लिए आभार जताया।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

---

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.